

सुप्रभात
रांची, मंगलवार
31.10.2023

* नगर संस्करण | पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ



khabarmantra.net कार्तिक, कृष्ण पक्ष, तृतीया संवत् 2080 मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 11 | अंक : 109 एकता की मिसाल, वल्लभ भाई गोमिसाल



पलामू प्रमण्डलीय दौशिंगाद नंबा

(ऑफर लेटद वितरण)

→ मुख्य अतिथि ←

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

लगभग
5132
युवाओं को मिलेगा
ऑफर लेटद



→ विशिष्ट अतिथि ←

श्री आलमगीर आलम

माननीय मंत्री, संसदीय कार्य,
ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड

श्री सत्यानंद भोका

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण
एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड

श्री मिथिलेश कुमार गुरु

माननीय मंत्री,
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड

श्री सुनील कुमार सिंह

माननीय सांसद, चटरा

श्री विष्णु दयाल राम

माननीय सांसद, पलामू

→ सम्मानित अतिथि ←

श्री आलोक कुमार चौरसिया

माननीय विधायक, डालटनगंज

श्री रामचन्द्र सिंह

माननीय विधायक, मनिका

श्री वैद्यनाथ राम

माननीय विधायक, लातेहार

श्री कुशवाहा शर्णि भूषण गेहता

माननीय विधायक, पांकी

श्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी

माननीय विधायक, विश्रामपुर

श्रीमती पुष्पा देवी

माननीय विधायक, छत्तेपुर

श्री कमलेश कुमार सिंह

माननीय विधायक, हुसैनाबाद

श्री भानु प्रताप शाही

माननीय विधायक, भवनाथपुर

दिनांक : 31.10.2023 | समय : अपराह्न 1 बजे
स्थान : पुलिस लाईन मैदान, डालटनगंज (पलामू)

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

स्पीड न्यूज

अधिकारी ने सभी छठ घाटों का किया निरीक्षण, दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश



निरीक्षण करते पदाधिकारी

मणिअंवां। नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार ने मणिअंवां क्षेत्रातीर्त सभी छठ घाटों का निरीक्षण किया। बताते चले कि नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत लाखग्र 21 छठ घाट हैं। इस दौरान उन्होंने सभी छठ घाटों का सफ-सफाई करने का सखा निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि आस्था का महापर्व छठ में सफ-सफाई का बहुत बड़ा महत्व है। सफ-सफाई के अलावा उन्होंने कहा की नगर पंचायत कि ओर से होने वाली सभी छठ घाटों पर सारी व्यवस्था की जारी है। उसके अलावा उन्होंने कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। खबर अधिकारी शैलेश कुमार क्षेत्रीय लोगों से भी छठ घाट पर व्यवस्था के बारे में जानकारी लिए। मौके पर कीनी अधिकारी संदीप कुमार, प्रधान सहायक अनुप तिवारी एवं राकेश कुमार सिंह उपस्थित थे।

टाइफल थूटिंग प्रतियोगिता में मन्नत ने एक बार फिर जीता सिल्वर मेडल

चतरा। ओडीएम सफायर ग्लोबल इंटरनेट स्कूल, रांची में चल रहे तीन दिवसीय सीनबीसर्स इस्ट जॉइंग रायफल थूटिंग प्रतियोगिता 2023-24 में मन्नत ने एक बार फिर से बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया है। मन्नत ने कहा कि इसान को लक्ष्य हमेशा बड़ा रखना चाहिए हमारा लक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्था को स्थापित करना है। इसके लिए हमें बहुत ही मेहनत करने की आवश्यकता है। सिल्वर मेडल जीतने का श्रेय माता-पिता को देती है। वही मन्नत को सिल्वर मैडल जीतने पर कान्हाहर्डी प्रखंड वासियों व जिलावासियों ने हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दी।

जिप उपायक्ष ने किया आर आर वक्तालय का उद्घाटन



खबर मन्त्र संवाददाता

इट्टेखोरी। इट्टेखोरी मुख्य बाजार पर सोमवार को आर आर वक्तालय नामक कपड़ा दुकान का उद्घाटन किया गया। दुकान का उद्घाटन जिप उपायक्ष बिरजू विवारी, जिप सदस्य सरिता देवी और प्रभुव विया कुमारी ने संस्कृत रूप से फोटो काटकर किया। इस दौरान दुकान के संवालत राज कुमार ने जिप उपायक्ष को बुके देकर और माला पहनकर राजन जिप किया। जिप उपायक्ष बिरजू विवारी ने दुकान संवालक को व्यापार की तरकी के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही गहकों के बीच मध्य संबंध बनाते हुए उनकी पसंद के अनुरूप बेहतर सेवा देने की अपील की। साथ ही कहा की किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए व्यापार का बढ़ना जरूरी है। जब तक व्यापार नहीं बढ़ाता तब तक किसी भी क्षेत्र का विकास संभव नहीं है। इस मौके पर दुकान ढाणा, देवेकुमार सिंह, निरंजन सिंह, नगीन सिंह, राजकुमार रजक, संजय साह, रंजय भारती, गालगांविद राम व क्षेत्रवासियों सहित कई लोग उपस्थित थे।

जिला स्तरीय टीएलएम नेला का आयोजन, 154 शिक्षकों ने भाग लिया



कोडरमा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डॉइट में जिला स्तरीय टीएलएम मेला का आयोजन किया गया। जिसमें 154 शिक्षकों ने भाग लिया। जिसमें लो कॉस्ट नो कार्स के आपार पर टीएलएम तैयार कर प्रदर्शन किया गया। मेला में मुख्य अंतिक्ष के रूप में कार्यपालक परायाकारी नगर पंचायत कोडरमा शिक्षा शेखर सुमन एवं क्षेत्रीय विद्यालय प्रायोगिक मंडल सदस्य के रूप में लेपिटेन्ट डॉ. विजेंद्र कुशवाहा जेंजे कॉलेज द्युमरीतलैया एवं सोरभ शर्मा ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्युमरीतलैया से उपस्थित हुए। इस मौके पर प्रायोगिक विद्यालय की भूमिका को ध्यानांतर से बताया। उनके द्वारा टीएलएम का प्रयोग प्राथमिक स्तर पर कक्ष में किस प्रकार प्रयोग किया जाए यह बताया गया। इस टीएलएम मेला में निर्णयक मंडल सदस्य के रूप में लेपिटेन्ट डॉ. विजेंद्र कुशवाहा जेंजे कॉलेज द्युमरीतलैया एवं सोरभ शर्मा ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्युमरीतलैया से उपस्थित हुए।

अवैध बालु लदा दो ट्रैकटर जब्त, चालक फरार

मरकच्चो (कोडरमा)। नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत केशो नदी के मसमोहन बालु घाट से पुलिस ने सोमवार को और बालु लदा दो ट्रैकटर जब्त किया है। इस बाबत नवलशाही थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह का कहना है कि उक्त घाट से चोरी छिपे बालु उत्ताप करने की गुप्त सुचना मिली थी। उसी आर पर सोमवार को धायामी और बालु लोड दो ट्रैकटर को जब्त किया है। वही पुलिस ने दो बालों के द्वारा ट्रैकटर के बालक व मजदूर मोके से फरार हो गये। उक्त दोनों ट्रैकटर को जब्त कर थाना भवन में सुरक्षक्ष रखा गया है। साथ ही अंग्रेजित कार्यवाई के लिए मालों की जानकारी डीएमओ को दी गयी है।



अवैध उत्खनन मामले को लेकर एसडीओ व डीएमओ पहुंचे मरकच्चो

खबर मन्त्र संवाददाता

मरकच्चो (कोडरमा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित थाना से महज दो किलोमीटर दूर स्थित कारीपहाड़ी मरकच्चो में संचालित पथर खदान में बड़े बड़े बड़े मशीहों से अवैध उत्खनन मामले को लेकर सोमवार को खबर मन्त्र अवैध खबर के प्रमुखता से खबर को छापा था। खबर घटने के बाद सोमवार को एसडीओ



खबर मन्त्र असर

कारीपहाड़ी में हो रहे अवैध खनन के लिए डीएमओ व सीओ जिम्मेवार : असीम सरकार

भारत की कम्पनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के जिला सचिव असीम सरकार ने प्रेस रिलाय় जारी कर मरकच्चो प्रखंड के कारीपहाड़ी में चल रहे अवैध खनन के लिए जिला खनन पदाधिकारी और सीओओ को जाकर आवश्यकता के साथ इन लोगों पर भी कारबाई लाइन चाहिए।

कारीपहाड़ी में इलाते से कीमती पथरों का उत्खनन हो रहा है। उक्त खदान कारीपहाड़ी क्षेत्र में जो पथर है, वह काफी कीमती पथर है, उस पथर का उत्खनन कार्य कई खनन माफियाओं के द्वारा अन्य व्यक्ति से लीज पर लेकर खनन कार्य कर रहा है, जबकि उक्त भूमि का मालिक उहाँ कोई भी खनन कार्य करने के लिए कोई अनुमति नहीं दिया है। वहीं खनन माफिया द्वारा उक्त इलाते में हैवी ब्लास्टिंग और प्राकृति जल स्रोतों को नष्ट कर उत्खनन कार्य किया जा रहा है। उक्त खदानों में होने वाले ब्लास्टिंग से भू-ग्रामीण जल स्रोत का खनन कार्य करने के लिए कोई अनुमति नहीं दिया गया है। वहीं खनन माफिया द्वारा उक्त इलाते के बाहर खनन कार्य करने के लिए जिला खनन पदाधिकारी और सीओओ को जाकर आवश्यकता के साथ इन लोगों पर भी कारबाई लाइन चाहिए।

ज्ञान निकेतन में एक दिवसीय कारियर काउंसिलिंग का आयोजन

गढ़वा। शहर के ज्ञान निकेतन काउंटेंट (10+2) स्कूल में सोमवार को एक दिवसीय कारियर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एसआरके विश्वविद्यालय, भोपाल के प्रवीण कुमार (असिस्टेंट सहायक प्रधायापक फारमेसी डिपार्टमेंट) तथा दिनेश प्रसाद (सहायक प्रधायापक एम्बेल डिपार्टमेंट) ने अपना बहुमूल्य सुझाव एवं मार्गदर्शन देकर बच्चों को प्रोत्साहित किया। मौके पर निदेशक मदन प्रसाद के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया।

जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया।

जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया। जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया।

जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया।

जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया।

जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया।

जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया।

जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया।

जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया।

जिला खनन पदाधिकारी के लिए जिला सचिव के कार्य को जारी किया गया।

जिला खनन पदाधिकारी के ल

विचार और चिंतन

देश रत्न पटेल ने कहा था.....

मेरी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देश में कोई भूखा ना हो, अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ।

शक्ति के अभाव में विश्वास किसी काम का नहीं है। विश्वास और शक्ति, दोनों किसी महान काम को करने के लिए अनिवार्य हैं।

एकता के बिना जनशक्ति शक्ति नहीं है जबतक उसे ठीक तरह से सामंजस्य में ना लाया जाए और एकजुट ना किया जाए, और तब यह आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है।

यहां तक कि यदि हम हजारों की दौलत भी गवां दें, और हमारा जीवन बलिदान हो जाए, हमें मुस्कुराते रहना चाहिए और ईश्वर एवं सत्य में विश्वास रखकर प्रसान रहना चाहिए।

बेशक कर्म पूजा है किन्तु हास्य जीवन है। जो कोई भी अपना जीवन बहुत गंभीरता से लेता है उसे एक तुच्छ जीवन के लिए तैयार रहना चाहिए। जो कोई भी सुख और दुःख: का समान रूप से स्वागत करता है वास्तव में वही सबसे अच्छी तरह से जीता है।

अक्सर मैं ऐसे बच्चे जो मुझे अपना साथ दे सकते हैं, के साथ हंसी-मजाक करता हूँ। जब तक एक इंसान अपने अन्दर के बच्चे को बचाए रख सकता है तभी तक जीवन उस अंधकारमयी छाया से दूर रह सकता है जो इंसान के माथे पर चिता की रेखाएं छोड़ जाती है।

यह हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह यह अनुभव करे की उसका देश स्वतंत्र है और उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करना उसका कर्तव्य है। हर एक भारतीय को अब यह भूल जाना चाहिए कि वह एक राजपूत है, एक सिख या जाट है। उसे यह यदि होना चाहिए कि वह एक भारतीय है और उसे इस देश में हर अधिकार है पर कुछ जिम्मेदारियां भी हैं।

एकीकरण में पटेल की भूमिका

5 जुलाई 1947 को सरदार पटेल ने रियासतों के प्रति नीति को सफ्ट करते हुए कहा कि 'रियासतों को तीन विषयों - सुरक्षा, विदेश तथा संचार व्यवस्था के अधिकार पर भारतीय संघ में समाजिक किया जाए।' धीरे धीरे बहुत सी देशी रियासतों का सामाजिक भौमिका के नवाब से अलग हो गये और इस तरह नवव्यवस्था रियासती विभाग की योजना को सफलता मिली। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय की था जो स्वयं में संप्रभुत प्राप्त थीं। उनका अन्न झांडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजाए के ठीक पूर्व पी.वी. मेनन के साथ मिलकर कई देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिए कार्य आरंभ कर दिया था। पटेल और मेनन ने देशी राजाओं को बहुत समझाया कि उन्हें स्वातंत्र्य देना संभव नहीं होगा। इसके अन्तर्गत समाजिक राज्यों को संचार के नवाब के लिए वर्ष 26 जनरी के पहले हो या उसके बाद। ऐसे बच्चों के संबंध में साधारण क्रियान्वयन लोंगों के अंतर्गत मुकदमा चलाए जाने पर यह सरकार पर्याप्त भरोसा नहीं करती; क्योंकि यह बहुत कम ही संभव या सफल हो पाता है और लाभग्रह हमेशा ही वह असैक्तिकों को प्रत्रय देनेवाला होता है तथा ऐसे आंदोलनों के लिए शक्ति जुटाने अथवा लोंगों को खुलेआम जनना के बीच क्रांतिकारी प्रचार करने की छूट दिए जाने से हुई प्रतिष्ठा की क्षति को पुनः प्राप्त करने में इस कानून के कारण काफी विलंब होता है। एक सविनय अवज्ञा आंदोलन या टैक्स न देने संबंधी अधियान गुजरात के किसी भी भाग में प्रारंभ किया जा सकता है, जहां कायेस के कार्यकर्ताओं वोंगे से अधिक तैयार करने में लगे हुए हैं और अब कारबाह करने के लिए तैयार हैं। इस प्रकार के अधियान के अधिगत संकेत 'माटार' में मिलते हैं और वल्लभाई पटेल कुछ साक्षात्कारों को प्रारक्षित रखने में सहेज ही सरकार रहे हैं, तक एक नया सत्याग्रह अधियान जब भी राजनीतिक रूप से सुविधाजनक हो, बारदेली में शुरू किया जा सके। इसलिए बंबई की सरकार यह जरूरी समझती है कि कारबाह एक की एक योजना तैयार की जाए, ताकि ज्यों ही ऐसी कोई स्थिति कहीं भी उत्पन्न होती है तो तत्काल कारबाह की जा सके।

जन्म दिन 31 अक्टूबर पर विशेष

बारदेली आंदोलन की व्यापक तैयारी की

यह जरूरी समझा गया है कि कायेस के प्रस्तावों के पालन हेतु कोई भी प्रत्यक्ष कारबाह, जाहें वह करने का न भुगतन करना, शराब की दुकानों पर धरना देना अब प्रकार से कार्य और युवा संघों का काइं सक्रिय आंदोलन आदि हो, तो उसका उत्तर मुकाबला किया जाए और उसे रोका जाए। चाहे वर्ष 26 जनरी के पहले हो या उसके बाद। ऐसे बच्चों के संबंध में साधारण क्रियान्वयन लोंगों के अंतर्गत मुकदमा चलाए जाने पर यह सरकार पर्याप्त भरोसा नहीं करती; क्योंकि यह बहुत कम ही संभव या सफल हो पाता है और लाभग्रह हमेशा ही वह असैक्तिकों को प्रत्रय देनेवाला होता है तथा ऐसे आंदोलनों के लिए शक्ति जुटाने अथवा लोंगों को खुलेआम जनना के बीच क्रांतिकारी प्रचार करने की छूट दिए जाने से हुई प्रतिष्ठा की क्षति को पुनः प्राप्त करने में इस कानून के कारण काफी विलंब होता है। एक सविनय अवज्ञा आंदोलन या टैक्स न देने संबंधी अधियान गुजरात के किसी भी भाग में प्रारंभ किया जा सकता है, जहां कायेस के कार्यकर्ताओं वोंगे से अधिक तैयार करने में लगे हुए हैं और अब कारबाह करने के लिए तैयार हैं। इस प्रकार के अधियान के अधिगत संकेत 'माटार' में मिलते हैं और वल्लभाई पटेल कुछ साक्षात्कारों को प्रारक्षित रखने में सहेज ही सरकार रहे हैं, तक एक नया सत्याग्रह अधियान जब भी राजनीतिक रूप से सुविधाजनक हो, बारदेली में शुरू किया जा सके। इसलिए बंबई की सरकार यह जरूरी समझती है कि कारबाह एक की एक योजना तैयार की जाए, ताकि ज्यों ही ऐसी कोई स्थिति कहीं भी उत्पन्न होती है तो तत्काल कारबाह की जा सके।

सरदार पटेल का योगदान

● देशी राज्यों के एकीकरण की समस्या को पटेल ने बिना खून-खराबे के बड़ी खूबी से हल किया, देशी राज्यों में राजकोट, जूनागढ़, बहालपुर, बड़ौदा, कशीपार, हैदराबाद को भारतीय महासंघ में सम्प्रिलित करना में सरदार को कई कायेस का सामाजिक प्रयत्न करना करना चाहता था और जूनागढ़ भी भारत में मिल गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें 'भारत संघ' में सम्प्रिलित हो गईं। इसके अन्तर्गत जूनागढ़ के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ का अधिकार करना चाहता था और इस तरह हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाबों को सम्प्रिलित करना चाहता था। 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कशीपार और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें 'भारत संघ' में सम्प्रिलित हो गईं। इसके अन्तर्गत जूनागढ़ के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ का अधिकार करना चाहता था और इस तरह हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाबों को सम्प्रिलित करना चाहता था। 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ का अधिकार करना चाहता था और इस तरह हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाबों को सम्प्रिलित करना चाहता था। 15 अगस्त 1947 के बाद मेनन के निजाम के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ का अधिकार करना चाहता था और इस तरह हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाबों को सम्प्रिलित करना चाहता था। 15 अगस्त 1947 के बाद मेनन के निजाम के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ का अधिकार करना चाहता था और इस तरह हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाबों को सम्प्रिलित करना चाहता था। 15 अगस्त 1947 के बाद मेनन के निजाम के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ का अधिकार करना चाहता था और इस तरह हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाबों को सम्प्रिलित करना चाहता था। 15 अगस्त 1947 के बाद मेनन के निजाम के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ का अधिकार करना चाहता था और इस तरह हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाबों को सम्प्रिलित करना चाहता था। 15 अगस्त 1947 के बाद मेनन के निजाम के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ का अधिकार करना चाहता था और इस तरह हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाबों को सम्प्रिलित करना चाहता था। 15 अगस्त 1947 के बाद मेनन के निजाम के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ का अधिकार करना चाहता था और इस तरह हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाबों को सम्प्रिलित करना चाहता था। 15 अगस्त 1947 के बाद मेनन के निजाम के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ का अधिकार करना चाहता था और इस तरह हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का बाबराबाद, कशीपार और जूनागढ़ के नवाबों को सम्प्रिलित करना चाहता था। 15 अगस्त 1947 के बाद मेनन के निजाम के नवाब ने चाहे वर्ष 26 जनरी के नवाब के लिए खाली चाहे और जूनागढ़ एक भारतीय संघ क

